• क्राइम...

आरटीआई कार्यकर्ता 25 लाख एक्सटॉर्शन मनी के साथ पकड़ा

ऊना : स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने जिला के एक आरटीआई एक्टिविस्ट को चंडीगढ़ में 25 लाख रुपए की एक्सटॉर्शन मनी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस घटना को लेकर क्रशर संचालकों की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में आरोपी आरटीआई कार्यकर्ता राज शर्मा जिला मुख्यालय के ही समीप किसी गांव का निवासी बताया जा है।

आरोप है कि आरटीआई कार्यकर्ता राज शर्मा ने क्रशर संचालकों से करीब 75 लाख रुपए की मांग की थी। हालांकि, दोनों पक्षों की बातचीत के बीच पहली किस्त 25 लाख रुपए की देने पर सहमति बनी। क्रशर संचालकों की शिकायत पर स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के डीएसपी कुलविंदर सिंह की अगुवाई में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

जानकारी के अनुसार क्रशर संचालक रोहन विज और गुरसज्जन सिंह ने मामले में विजिलेंस टीम को शिकायत दी। शिकायत में रोहन विज और गुरसज्जन सिंह ने कहा, 'आरटीआई कार्यकर्ता राज शर्मा उन्हें धमका रहा है। राज शर्मा उनके खनन कार्य की शिकायत अदालत में करने की भी धमकी दे रहा है। आरोपी ने उनसे 75 लाख रुपए की मांग भी की है। साथ ही राज शर्मा ने उन्हें पैसे नहीं देने पर मामले को अदालत में ले जाने की बात कही गई है। दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और इस बीच आरोपी ने क्रशर संचालकों से पहली किस्त रु. 25 लाख देने की मांग की और पैसे देने के लिए चंडीगढ़ में एक जगह को चुना।'

आरटीआई कार्यकर्ता राज शर्मा द्वारा एक्सटॉर्शन मनी मांगे की शिकायत क्रशर संचालकों ने स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो ऊना को दी। जिसके आधार पर विजिलेंस ने बुधवार को जाल बिछाकर आरटीआई एक्टिविस्ट राज शर्मा को रु. 25 लाख एक्सटॉर्शन मनी राशि के साथ चंडीगढ़ से गिरफ्तार करने में हासिल की।

विजिलेंस के डीएसपी कुलविंदर सिंह ने कहा, 'पुलिस इस घटना को लेकर बुधवार को चंडीगढ़ में आरटीआई कार्यकर्ता राज शर्मा को जबरन वसूली गई 25 लाख रुपए की राशि के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।'

• संपादकीय...

अक्षय ऊर्जा दिवस

दुनिया भर में प्राकृतिक संसाधनों की कमी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, ऐसे में अक्षय ऊर्जा दिवस लोगों को भारत में अक्षय ऊर्जा के विकास के बारे में जागरूक करने का काम करता है। यह दिन लोगों से तेल और कोयले जैसे पारंपरिक स्रोतों के बजाय हवा, सूरज की रोशनी और पानी जैसे स्रोतों का उपयोग करने का आग्रह करता है। यह हमें अपनी ऊर्जा के उपयोग के प्रति सचेत रहने और अक्षय ऊर्जा विकसित करने वाले कार्यक्रमों का समर्थन करने की याद दिलाता है। भारत में प्रत्येक वर्ष 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है। इस दिन ऊर्जा के नवीकरणीय संसाधनों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नीतियां तैयार की जाती हैं, जिसका अनुसरण पूरे साल किया जाता है। साथ ही अक्षय ऊर्जा दिवस पर छात्रों को स्कूल और कॉलेजों में अक्षय ऊर्जा के बारे में विस्तार से बताया जाता है। वर्ष 2004 में पहली बार ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों का उपयोग करने के साथ-साथ इन्हें बढ़ावा देने और अक्षय ऊर्जा विकास कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए यह दिन मनाया गया था। वर्ष 2004 तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने जनता के बीच कुशल और हरित ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली में आयोजित करवाया था। जिसमें मानव शृंखला बनाने वाले 12,000 स्कूली बच्चों के साथ एक स्मारक डाक टिकट जारी की गई थी। मानव को दूरगामी होना चाहिए, क्योंकि दूरगामी सोच से ही एक लक्ष्य का जन्म होता है, जिसके लिए मानव संघर्ष करने के लिए सक्षम बन पाता है। यदि समय रहते ऊर्जा स्त्रोतों का संरक्षण न किया गया तो आने वाली पीढ़ियों के पास पर्याप्त ऊर्जा के स्त्रोत नहीं बचेंगे। अक्षय ऊर्जा दिवस जाने का उद्देश्य युवा पीढ़ी को अक्षय ऊर्जा के विकास और नवीनीकरण के लिए जागरूक करना होता है। जिसके लिए देशभर में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी और ड्राइंग प्रतियोगिताओं, वाद-विवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। साथ ही हरित ऊर्जा उपयोग के बढ़ावे के लिए पोस्टर और बैनर के साथ रैलियां भी आयोजित की जाती हैं।

■ **अनल पत्रवाल**
संपादक, हिमाचल अभी अभी

टनल गिरने की मजिस्ट्रेट जांच

फोरलेन निर्माण कर रही कंपनी दिन– रात कार्य मे जुटी हुई है। लेकिन बीते 12 अगस्त को देर शाम करीब पांच बजे फोरलेन पर शिमला के चलोंठी में बन रही निर्माणाधीन टनल गिर गयी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

वीडियो वायरल होने के बाद फोरलेन का निर्माण कर रही कंपनी की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में आ गयी। कंपनी नियमों को ताक में रखकर फोरलेन का काम कर रही है। टनल के गिरने का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया...

● **पंकज शर्मा/शिमला**

शिमला परवाणु फोरलेन के दूसरे चरण कैथलीघाट - ढली का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। फोरलेन निर्माण कर रही कंपनी दिन- रात कार्य मे जुटी हुई है। लेकिन बीते 12 अगस्त को देर शाम करीब पांच बजे फोरलेन पर शिमला के चलोंठी में बन रही निर्माणाधीन टनल गिर गयी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद फोरलेन का निर्माण कर रही कंपनी की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में आ गयी। कंपनी नियमों को ताक में रखकर फोरलेन का काम कर रही है। टनल के गिरने का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया। डीसी अनुपम कश्यप ने कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए है।

● **एडीएम लॉ एंड ऑर्डर को मजिस्ट्रेट जांच का जिम्मा**

डीसी अनुपम कश्यप ने कहा कि 13 अगस्त को निर्माणाधीन टनल के मुहाने पर अचानक भूस्खलन हुआ है। इस घटना के बारे में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर मजिस्ट्रेट जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट में किन कारणों से यह घटना हुई, क्या इसमें कोई मानवीय चूक या किसी अधिकारी या ठेकेदार की लापरवाही है। घटना से जुड़े हर पहलू को जांच रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

● **दो सप्ताह में रिपोर्ट जमा करवाएंगे जांच अधिकारी**

डीसी ने कहा कि अधिकृत अधिकारी को दो हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट जमा करवानी होगी। उन्होंने कहा मजदूरों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही निर्माण कार्य में सभी मानकों की अनुपालन और लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जांच के आदेश दिए गए है।

● **कंपनी ने नकारा था लैंडस्लाइड, फाल्स पोर्टल को खुद गिराने का किया था दावा**

कंपनी ने टनल गिरने वाले वीडियो के वायरल होने के बाद टनल गिरने की बात को खारिज किया था। कंपनी प्रबंधक रविंद्र चंदेल ने दावा किया था कि टनल का कार्य शुरू ही नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि जहां टनल बन रही है उसके ऊपर मलबा फेंका गया था। ऐसे में कंपनी ने टनल निर्माण के लिए मलबे को रोकने के लिए फाल्स पोर्टल का निर्माण किया था, लेकिन ऊपर से मलबे के आने से उस पर वजन बढ़ गया था। जिसके कारण उसमें दरारें आ गयी थी। खतरे को देखते हुए कंपनी ने फाल्स पोर्टल को कंपनी ने खुद तुड़वाया था। काम बंद करवा दिया गया था। उन्होंने कहा कि कंपनी सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से ध्यान रख रही है। मजदूरों की सुरक्षा कंपनी के लिए प्राथमिकता पर है ।

● **अलग-अलग शिफ्टों में 60 से 80 लोग करते हैं काम**

कंपनी में काम कर रहे मजदूरों ने कहा कि घटना 12 अगस्त शाम 5 बजे के आस पास की है। घटना के वक्त मजदूर मौके पर काम कर रहे थे। फाल्स पोर्टल में पहले ही दरारें आ गयी थी। इसलिए सभी को गिरने का आभास था कि यह कभी भी गिर सकता है। उन्होंने कहा कि घटना वक्त कितने मजदूर काम कर रहे थे इसका सही आंकड़ा तो बता पाना मुश्किल है। लेकिन अलग अलग शिफ्ट में 60 से 80 मजदूर काम करते है। जो सभी सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि टनल में फाल्स पोर्टल के अवाला टनल का काम अभी अपने शुरुआती चरण में था। 15 -20 मीटर तक खुदाई हुई थी ।

● **सोशल मीडिया में वायरल घटना का वीडियो**

मजदूरों ने बताया कि 12 अगस्त को शाम को पांच बजे का समय रहा होगा जब निर्माणाधीन टनल गिरी थी जिसके बाद काम रोक दिया गया था। बता दें कि वीडियो 13 अगस्त को सोशल मीडिया में खुब वायरल हुआ था जिसके बाद एक बार फिर कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे थे परन्तु अब उपायुक्त शिमला ने घटना के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए थे।

दिशा–निर्देश जारी

शिमला : सचिव, उद्यान सी.पॉलरासु ने मण्डी मध्यस्थता योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मण्डी मध्यस्थता योजना के अंतर्गत प्रापण किए जाने वाले फलों की गुणवत्ता को बनाए रखने और वास्तविक लाभार्थियों को योजना का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नए दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए। उन्होंने कहा कि फलों का प्रापण बागवानों के पास उपलब्ध भूमि तथा फलदार पौधों के अनुपात के अनुसार किया जाएगा जिसके लिए बागवानों द्वारा उद्यान कॉर्ड लाना अनिवार्य होगा जिसका मिलान राजस्व अभिलेख (जमाबंदी) से सम्बंधित प्रभारी फल एकत्रीकरण केंद्र द्वारा किया जाएगा। बागवानों से सेब फल सम्बंधित इलाके के फल एकत्रीकरण केंद्र में ही लिए जाएंगे। उन्होंने कहा सड़े-गले, पक्षियों द्वारा खाए हुए व दागी फल, स्कैबग्रस्त, इथरल स्प्रे किए हुए फल तथा 51 मिलीमीटर से कम डायामीटर वाले फल नहीं लिए जाएंगे।

• क्रिकेट...

धर्मशाला से छिना मैच

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में चल रहे ड्रेसिंग रूम के काम के चलते बीसीसीआई ने भारत-बांग्लादेश के बीच 6 अक्तूबर को प्रस्तावित टी-20 मैच ग्वालियर शिफ्ट कर दिया है। मैच से पहले ड्रेसिंग रूम का काम पूरा न होने की सूरत में एचपीसीए की ओर बीसीसीआई की इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद बीसीसीआई की ओर समय रहते हुए मैच को शिफ्ट कर दिया। धर्मशाला स्टेडियम का निर्माण कार्य आज से करीब 22 वर्ष पूर्व शुरू हुआ था और इस समय के डिजाइन के चलते यहां पर मेजबान और मेहमान टीम के लिए ड्रेसिंग रूम तैयार किए गए थे, लेकिन बीसीसीआई की ओर पिछले कुछ समय से मैदानों के जीर्णोद्धार के लिए पैसा दिया जा रहा है और स्टेडियम में जरूरी काम किए जा रहे हैं। 2023 में यहां से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले टेस्ट मैच इंदौर शिफ्ट किया गया था। मैदान तो अब पूरी तरह तैयार है, लेकिन अक्तूबर 2023 में विश्व कप मैचों से पहले भी स्टेडियम में मरम्मत का काम किया गया था। अब स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम का काम चल रहा है। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि धर्मशाला स्टेडियम में विदेशी और भारतीय खिलाड़ियों को ओर बेहतर सुविधा मिले इसके लिए आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं।

• अग्निवीरों की भर्ती...

■ *शिमला : शिमला, सोलन, सिरमौर और किन्नौर जिले के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती रैली 3 सितंबर से मिलिट्री स्टेशन अबेरीपट्टी में होगी। शिमला की भर्ती निदेशक कर्नल पुष्विंदर कौर ने बताया कि उन उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं, जिन्होंने ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा उतीर्ण की है। उम्मीदवार सेना की वेबसाइट से शारीरिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अग्निवीर रैली शिमला जिले के रामपुर बुशहर स्थित पृथ्वी मिलिट्री स्टेशन अवरपट्टी में 9 सितंबर तक चलेगी।*